पांच दशक बाद चंद्रमा के चक्कर लगाएंगे मानव

शाइन जेकब
चेन्नई, 18 जनवरी

साल 1972 के बाद पहली बार इस साल फरवरी में मानव अंतरिक्ष यात्री चंद्रमा के चक्कर लगाएंगे। नैशनल एरोनॉटिक्स ऐंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन (नासा) ने शनिवार को अपने विशाल एसएलएस रॉकेट और ओरियन अंतरिक्ष यान को कैनेडी स्पेस सेंटर के व्हीकल असेंबली बिल्डिंग से प्रक्षेपण क्षेत्र में स्थानांतरित कर दिया। यह यान 6 फरवरी से पहले प्रक्षेपित किया जाएगा।

इस पहले क्रू मिशन में चार अंतरिक्ष यात्री (रीड वाइजमैन, विक्टर ग्लोवर, क्रिस्टीना कोच, और जेरेमी हैंसन शामिल होंगे जो पृथ्वी पर लौटने से पहले चंद्रमा के चारों ओर चक्कर लगाएंगे। कोच चंद्र क्षेत्र की यात्रा करने वाली पहली महिला यात्री बनेंगी जबकि हैंसन कैनेडियन स्पेस एजेंसी का प्रतिनिधित्व करते हुए यह उपलब्धि हासिल करने वाले पहले गैर-अमेरिकी नागरिक होंगे। इसके अलावा, पहली बार एक मानवयुक्त चंद्रमा मिशन से भारत से संबंध होने की भी खबर है। प्रक्षेपण अवधि अप्रैल तक रहेगी।

हालांकि, कोई भी भारतीय स्वामित्व वाली अंतरिक्ष कंपनी आर्टेमिस की प्रमुख अनुबंध सूची में नहीं है मगर कई भारतीय मूल के वैज्ञानिक विभिन्न चरणों में मिशन का हिस्सा हो सकते हैं। इसमें हैदराबाद की काव्या के मान्यापु शामिल हैं जो कथित तौर पर नासा के जॉनसन स्पेस सेंटर इन

जेरेमी हैंसन, क्रिस्टीना कोच, विक्टर ग्लोवर और रीड वाइजमैन (बाएं से)

ह्यूस्टन, टेक्सस में फ्लाइट ऑपरेशंस डायरेक्टोरेट के अंतर्गत आर्टेमिस प्रोग्राम के लिए अंतरिक्ष पोशाक के निर्माण का नेतृत्व करती हैं। नासा के एक बयान के मुताबिक इसके प्रमुख कॉन्ट्रैक्टर एरोजेट रॉकेटडाइन, एक्सिओम स्पेस, बेकटेल, ब्लू ओरिजिन, बोइंग, एमटम, जैकब्स, लॉकहीड मार्टिन, मैक्सर स्पेस सिस्टम्स, नॉरथ्रॉप ग्रुम्मन और स्पेसएक्स के 47 राज्यों में 2,700 से अधिक आपूर्तिकर्ता हैं।

यह 10 दिवसीय मिशन राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप प्रशासन के लिए एक बड़ी जीत साबित हो सकती है। यह मिशन गहरे अंतरिक्ष में महत्त्वपूर्ण जीवन समर्थन और पुनः प्रवेश प्रणालियों को मान्य करेगा। आर्टेमिस 2 मिशन प्रबंधन टीम के अध्यक्ष जॉन हनीकट्ट ने मीडिया को बताया, 'हम इतिहास रच रहे हैं।' कोच एक खोजकर्ता एवं इंजीनियर हैं जो 2013 में अंतरिक्ष यात्री बनीं और नासा के आर्टेमिस 2 मिशन के लिए एक मिशन विशेषज्ञ के रूप में काम करेंगी। अंतरिक्ष यान में उनका पिछला अनुभव एक्सपीडिशंस 59, 60 और 61 में 2019 में लगभग पूरे समय के लिए अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर रहने और काम करने से जुड़ा था। कोच ने अंतरिक्ष में कुल 328 लगातार दिन बिताए और पहली महिला अंतरिक्ष भ्रमण में भाग लिया।

वाइजमैन नासा के आर्टेमिस 2 मिशन के कमांडर हैं। बाल्टीमोर के मूल निवासी ने पहले मई से नवंबर 2014 तक एक्सपेडिशन 41 के लिए अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर फ्लाइट इंजीनियर के रूप में काम किया था। ग्लोवर को पायलट के रूप में नियुक्त किया गया है। हैंसन एक कनाडाई अंतरिक्ष यात्री और एक पूर्व लड़ाकू पायलट हैं। एसएलएस (स्पेस लॉन्च सिस्टम) ही एकमात्र ऐसा रॉकेट है जो ओरियन अंतरिक्ष यान, चार अंतरिक्ष यात्रियों और बड़े कार्गो को एक ही प्रक्षेपण पर सीधे चंद्रमा पर भेजने में सक्षम है। यह चालक दल, कार्गो या विज्ञान मिशन के लिए शक्तिशाली और लचीला दोनों मकसद से तैयार किया गया है।

वाराणसी जिले में ड्रोन से जमीन सर्वे

नागरिक सुविधाओं में सुधार के लिए 'स्वामित्व' योजना डेटा इस्तेमाल

संजीव मुखर्जी
नई दिल्ली, 18 जनवरी

सरकार 'स्वामित्व' (गांवों का सर्वेक्षण और ग्रामीण क्षेत्रों में उन्नत तकनीक से मानचित्रण) योजना के लिए ड्रोन से जुटाए गई जानकारियों (डेटा) का अधिक से अधिक लाभ लेने की तैयारी कर रही है। स्वामित्व योजना में गैर-पंजीकृत ग्रामीण घरों के लिए कानूनी संपत्ति दस्वावेज (आईडी कार्ड) की गारंटी का प्रावधान है।

सूत्रों ने कहा कि अब तक लक्षित 3.4 लाख गांवों में 3.27 लाख गांवों के ड्रोन सर्वेक्षणों से भारी मात्रा में उच्च गुणवत्ता वाली और स्पष्ट जानकारियां जुटाई गई हैं। इन जानकारियों का इस्तेमाल अब ग्रामीण क्षेत्रों में जल निकासी व्यवस्था, सड़कों, सीवेज लाइन, बिजली के खंभे आदि नागरिक सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए किया जा सकता है।

स्वामित्व योजना के तहत 1.5 लाख गांवों को संपत्ति आईडी कार्ड वितरित किए जा चुके हैं।

स्वामित्व कार्ड तैयार करने की पूरी प्रक्रिया गांवों के ड्रोन सर्वेक्षण से शुरू होती है जो कार्ड वितरित करने से पहले सत्यापन, मानचित्र तैयारी, भौतिक जांच जैसे कई चरणों से गुजरती है।

वरिष्ठ अधिकारियों के मुताबिक ड्रोन सर्वेक्षण ने 1:500 के रिजॉल्यूशन में डेटा दिया है जो गूगल अर्थ प्रो की तरह है मगर बहुत सटीक है।

ड्रोन ने गांवों की 3डी रीडिंग 5 सेंटीमीटर लंबाई और 20 सेंटीमीटर ऊंचाई की सटीक रूप से ली है।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, 'वास्तव में अब हम जानते हैं कि उन 3.27 लाख गांवों में किस घर में कच्ची छत है, यह किससे बनी हुई है और क्या वह छत सौर पैनल लगाने लायक है या नहीं आदि।'

उन्होंने कहा कि ड्रोन डेटा का अधिक से अधिक इस्तेमाल करने के लिए पंचायती राज मंत्रालय ने हाल ही में एक हैकाथॉन का आयोजन किया था जिसमें भारत के प्रमुख संस्थानों एवं संगठनों की टीमों ने हिस्सा लिया। टीमों ने ऐसे विचार प्रस्तुत किए जिनमें जल प्रवाह प्रारूप का विश्लेषण करने, जलभराव वाले प्रमुख क्षेत्रों की पहचान करने और एक ठोस जल निकासी व्यवस्था तैयार करने के लिए ड्रोन पॉइंट क्लाउड डेटा का उपयोग कर डिजिटल भूभागीय प्रारूप विकसित करना शामिल था।

प्रायोगिक परियोजना

- लगभग 1.5 लाख गांवों में स्वामित्व कार्ड वितरित
- केंद्र को जुलाई-अगस्त 2026 तक सभी 3.7 लाख गांवों को संपत्ति स्वामित्व कार्ड का वितरण पूरा करने की उम्मीद

इसके अलावा मंत्रालय उपलब्ध भूभागीय मानचित्रों के आधार पर एक नियोजित जल निकासी तंत्र विकसित करने के लिए उत्तर प्रदेश के वाराणसी जिले के सात गांवों में एक प्रायोगिक परियोजना संचालित करने की योजना बना रहा है।

अवधारणा का प्रमाण आयोजित करने वाली वेंडर एजेंसियों को उच्च-रिजॉल्यूशन वाले भू-स्थानिक और जल मौसम विज्ञान आंकड़े प्रदान किया जाएगा जिसमें भूभागीय और उन्नयन प्रतिरूपण (एलिवेशन मॉडलिंग) के लिए स्वामित्व योजना ड्रोन-आधारित पॉइंट क्लाउड डेटा, सटीक सतह सुविधा व्याख्या के लिए विकृति रहित चित्रण (ऑर्थोमोसैक इमेजरी) और वर्षा प्रारूप का आकलन करने के लिए वर्षा से जुड़े आंकड़े शामिल हैं।

भूभाग, भूमि उपयोग और वर्षा की प्रवृत्ति के एकीकृत विश्लेषण के आधार पर एक ग्राम स्तर का जल निकासी तंत्र प्रस्तावित किया जाएगा और संभावित तालाब स्थानों की पहचान की जाएगी।

भू-स्थानिक विश्लेषण और प्रस्तावित बनावट को प्रमाणित करने के लिए क्षेत्रीय निरीक्षण और मैनुअल सर्वेक्षण भी किए जाएंगे। अधिकारियों ने कहा कि प्रायोगिक परियोजना यह दर्शाएगी कि स्वामित्व योजना के ड्रोन-आधारित भू-स्थानिक डेटा, हाइड्रोलॉजिकल मॉडलिंग और क्षेत्रीय सत्यापन को वैज्ञानिक जल निकासी और अन्य योजना को गांव स्तर पर प्रभावी ढंग से समर्थन करने के लिए कैसे एकीकृत किया जा सकता है।

इस पायलट परियोजना के लिए चुने गए गांव उत्तर प्रदेश के वाराणसी जिले के पूरे, कुरुहुआ, जयापुर, नागेपुर, बारियार, परम्पुर और खाखरिया हैं।

निजी ईवी अपनाने में केरल आगे

निजी चार पहिया इलेक्ट्रिक वाहनों में केरल का सबसे ज्यादा हिस्सा

शाइन जेकब
चेन्नई, 18 जनवरी

केरल के मध्यमवर्गीय परिवारों ने 2025 में पहले से कहीं अधिक चार्जिंग बॉक्स लगाए। इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) की बिक्री वाले 10 राज्यों में से केरल का निजी चारपहिया वाहनों को अपनाने में सबसे ज्यादा हिस्सा है। केरल उन पहले राज्यों में से एक है जिसने बहुत पहले ही 2019 में इलेक्ट्रिक वाहन नीति लागू की।

केरल निजी इलेक्ट्रिक वाहन (दोपहिया और चारपहिया वाहनों सहित) को अपनाने के मामले में कर्नाटक के साथ शीर्ष पर है। पारंपरिक पेट्रोल-डीजल इंजन वाले वाहनों की तुलना में इलेक्ट्रिक वाहनों की पैठ भी केरल में बहुत अधिक है और वह 2025 में दिल्ली के बाद दूसरे स्थान पर रहा।

एनवायरोकैटलिस्ट्स द्वारा साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार, सबसे अधिक इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) की बिक्री वाले शीर्ष राज्यों में ईवी की पैठ (ईवी व पेट्रोल-डीजल इंजन वाहन का अनुपात) में दिल्ली 13.91 प्रतिशत, केरल 12.08 प्रतिशत, कर्नाटक 10.64 प्रतिशत, उत्तर प्रदेश 9.89 प्रतिशत और मध्य प्रदेश 8.23 प्रतिशत शामिल हैं।

महत्त्वपूर्ण बात यह है कि वर्तमान वृद्धि 2022 में मुश्किल से 5 प्रतिशत की पैठ से हुई है, जो नीतिगत उपायों और बेहतर बुनियादी ढांचे से प्रेरित है।

एनवायरोकैटलिस्ट्स के संस्थापक और प्रमुख विश्लेषक सुनील दहिया ने कहा, 'केरल को एक विशेष बाजार बनाने वाला सबसे महत्त्वपूर्ण कारक यह है कि कुल इलेक्ट्रिक वाहन बाजार में निजी वाहनों की हिस्सेदारी 93.4 प्रतिशत है, जो दर्शाता है कि दोपहिया और चारपहिया वाहनों में इलेक्ट्रिक

वाहनों को अपनाया जा रहा है।'

दहिया ने कहा, 'हालांकि कर्नाटक जैसे अन्य राज्यों में निजी वाहनों में इलेक्ट्रिक वाहनों की हिस्सेदारी 93.4 प्रतिशत के समान है, लेकिन उनमें से लगभग 84 प्रतिशत दोपहिया जबकि 9 प्रतिशत चारपहिया वाहन हैं। दूसरी ओर, केरल में दोपहिया वाहनों की हिस्सेदारी 76 प्रतिशत और चारपहिया वाहनों की हिस्सेदारी 18 प्रतिशत है, जो दर्शाता है कि मध्यम वर्ग बड़े पैमाने पर इलेक्ट्रिक वाहनों को अपना रहे हैं।

राज्य में दोपहिया वाहनों की बिक्री में वृद्धि का नेतृत्व एथर एनर्जी, बजाज ऑटो और टीवीएस मोटर कर रही हैं, जिनकी बाजार हिस्सेदारी क्रमशः 29 प्रतिशत, 24 प्रतिशत और 19 प्रतिशत है। वर्ष 2025 में कुल 80,261 वाहन बेचे गए थे।

केरल के बाजार में ओला इलेक्ट्रिक 12 प्रतिशत और रिवर मोबिलिटी 6 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ अन्य प्रमुख कंपनियां हैं। वहीं दूसरी ओर, 2025 में बेचे गए 18,891 निजी चारपहिया वाहनों में से टाटा पैसेंजर इलेक्ट्रिक मोबिलिटी ने 53 प्रतिशत, जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर ने 26 प्रतिशत और महिंद्रा इलेक्ट्रिक ऑटोमोबाइल ने 11 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी के साथ दबदबा बनाया। उच्च हिस्सेदारी के कारण हालांकि चंडीगढ़ और गोवा में कुल इलेक्ट्रिक वाहन बाजार में निजी वाहनों की हिस्सेदारी क्रमशः 61 प्रतिशत और 99 प्रतिशत है, लेकिन इन क्षेत्रों में बिक्री और पैठ काफी कम है और ये शीर्ष राज्यों में शामिल नहीं हैं।

उद्योग विशेषज्ञों के अनुसार, उच्च पैठ के कारण ग्राहकों के बीच उच्च जागरूकता है। इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर कंपनी बीएनसी मोटर्स के मुख्य कार्यपालक अधिकारी अनिरुद्ध रवि नारायणन ने कहा, 'इसका मुख्य कारण जागरूकता है, क्योंकि राज्य में कई ब्रांड अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। लोग इलेक्ट्रिक वाहनों और प्रीमियम उत्पादों को स्टेटस सिंबल के रूप में भी देखते हैं। इसके अलावा, चार्जिंग की सुविधा भी व्यापक रूप से उपलब्ध है।'

विशेषज्ञ केरल में बढ़ती रुचि के कारणों में अनिवासी भारतीय आबादी की उच्च हिस्सेदारी, उच्च प्रति व्यक्ति आय, सरकारी सहायता और नए ब्रांडों के प्रति झुकाव का भी उल्लेख करते हैं।

भारी उद्योग मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, राज्य में 1,389 चार्जिंग स्टेशन हैं, जिनमें 553 फास्ट चार्जर और 836 स्लो चार्जर शामिल हैं, जो निजी कंपनियों और केरल विद्युत बोर्ड द्वारा संचालित हैं।

JKCement
A SOLID LEGACY OF TRUST

J.K. Cement Ltd.

CIN No. : L17229UP1994PLC017199
Registered Office : Kamla Tower, Kanpur-208 001 (U.P.)
Ph. : +91 512 2371478 to 81 | Fax : +91 512 2399854/ 2332665
website: www.jkcement.com | e-mail: comp.sec@jkcement.com

EXTRACT OF CONSOLIDATED AND STANDALONE UNAUDITED FINANCIAL RESULTS FOR THE QUARTER AND NINE MONTHS ENDED 31st DECEMBER, 2025

(₹ in Crores)

Sl. No.	Particulars	CONSOLIDATED				
		Three Months Ended 31.12.2025 Unaudited	Three Months Ended 30.09.2025 Unaudited	Three Months Ended 31.12.2024 Unaudited	Nine Months Ended 31.12.2025 Unaudited	Year Ended 31.03.2025 Audited
1.	Total Income from Operations	3,509.00	3,070.08	2,974.83	9,988.05	12,052.10
2.	Net Profit before Interest, Depreciation, Exceptional Items and Tax	556.80	450.52	505.23	1,705.88	2,043.85
3.	Net Profit for the Period before Share (Loss) in Associates and Tax (before Exceptional and Extraordinary Items)	316.09	242.72	278.61	1,047.95	1,139.45
4.	Net Profit for the Period before Tax (after Exceptional and/ or Extraordinary Items)	268.28	242.88	279.26	1,000.31	1,242.39
5.	Net Profit for the Period after Tax (after Exceptional and/ or Extraordinary Items)	173.61	159.25	189.87	657.11	872.17
6.	Total Comprehensive Income for the Period [Comprising Profit/(Loss) for the Period (after tax) and Other Comprehensive Income (after tax)]	183.09	185.79	203.48	691.10	887.53
7.	Paid-up Equity Share Capital (Face Value of ₹ 10/- Per Share)	77.27	77.27	77.27	77.27	77.27
8.	Reserves (excluding Revaluation Reserve)	5,886.47	5,704.41	4,860.75	5,886.47	5,221.16
9.	Security Premium Account	756.80	756.80	756.80	756.80	756.80
10.	Net Worth	6,720.54	6,538.48	5,694.82	6,720.54	6,055.23
11.	Paid up Debt Capital/Outstanding Debt	5,098.82	5,139.43	4,723.27	5,098.82	4,961.33
12.	Outstanding Redeemable Preference Shares	NA	NA	NA	NA	NA
13.	Debt Equity Ratio	0.93	0.98	1.03	0.93	0.97
14.	Basic and Diluted Earnings Per Share (of ₹ 10/-each) (Not Annualized except Period / Year ended)	22.60	20.78	24.54	85.36	111.44
15.	Capital Redemption Reserve	NA	NA	NA	NA	NA
16.	Debenture Redemption Reserve	-	-	7.50	-	3.75
17.	Debt Service Coverage Ratio	2.13	1.82	2.15	2.16	1.91
18.	Interest Service Coverage Ratio	5.42	4.77	4.72	5.72	4.86

Notes:

1. The above is an extract of the detailed format of unaudited quarterly Financial Results filed with the Stock Exchange under Regulation 52 of the Listing Regulations. The full format of the quarter and nine months ended consolidated and standalone financial results are available on the Stock Exchange websites:- www.nseindia.com, www.bseindia.com and on the Company's website www.jkcement.com.

2. Key Standalone Financial Information:

Sl. No.	Particulars	STANDALONE				
		Three Months Ended 31.12.2025 Unaudited	Three Months Ended 30.09.2025 Unaudited	Three Months Ended 31.12.2024 Unaudited	Nine Months Ended 31.12.2025 Unaudited	Year Ended 31.03.2025 Audited
1.	Total Income from Operations	3,258.63	2,907.77	2,783.20	9,412.18	11,357.23
2.	Net Profit before Interest, Depreciation, Exceptional Items and Tax	534.45	442.09	497.13	1,660.58	1,987.30
3.	Net Profit for the period (before Tax, Exceptional and/ or Extraordinary items)	321.59	260.61	289.57	1,080.07	1,170.62
4.	Net Profit for the Period before Tax (after Exceptional and/ or Extraordinary Items)	275.59	260.61	289.57	1,034.07	1,225.00
5.	Net Profit for the Period after Tax (after Exceptional and/ or Extraordinary Items)	180.54	175.78	199.75	688.80	851.27
6.	Total Comprehensive Income for the Period [Comprising Profit/(Loss) for the Period (after tax) and Other Comprehensive Income (after tax)]	179.70	174.96	199.49	686.29	847.91
7.	Paid-up Equity Share Capital (Face Value of ₹ 10/- Per Share)	77.27	77.27	77.27	77.27	77.27
8.	Reserves (excluding Revaluation Reserve)	5,780.03	5,600.33	4,799.51	5,780.03	5,209.64
9.	Security Premium Account	756.80	756.80	756.80	756.80	756.80
10.	Net Worth	6,614.10	6,434.40	5,633.58	6,614.10	6,043.71
11.	Paid up Debt Capital/Outstanding Debt	5,098.82	5,139.43	4,723.27	5,098.82	4,961.33
12.	Outstanding Redeemable Preference Shares	NA	NA	NA	NA	NA
13.	Debt Equity Ratio	0.95	0.98	1.03	0.95	0.97
14.	Basic and Diluted Earnings Per Share (of ₹ 10/-each) (Not Annualized except Period / Year ended)	23.37	22.75	25.85	89.14	110.17
15.	Capital Redemption Reserve	NA	NA	NA	NA	NA
16.	Debenture Redemption Reserve	-	-	7.50	-	3.75
17.	Debt Service Coverage Ratio	2.06	1.79	2.11	2.11	1.86
18.	Interest Service Coverage Ratio	5.34	4.78	4.65	5.69	4.80

3. These financial results have been prepared in accordance with Indian Accounting Standards (Ind-AS) as prescribed under section 133 of Companies Act 2013 read with Rule 3 of the Companies (Indian Accounting Standards) Rules 2015 and relevant amendment thereafter. The said financial results of the Parent Company and its subsidiaries together referred as the "Group" have been prepared in accordance with Ind AS 110 – Consolidated financial statements.

For and on behalf of the Board of Directors

Scan the QR Code to download the full financial results

Place: Gurugram
Date : 17 January, 2026

Dr. Raghavpat Singhania
Managing Director
DIN: 02426556

JKsuper cement BUILD STRONG | JKsuper STRONG CONCRETE SPECIAL BUILD STRONG | JKsuper PROTECT BUILD STRONG ALL WEATHER SAFE | JKMaxx PAINTS Colours of joy | JKCement WallMaxX White Cement Based Putty | JKCement WallMaxX ADVANCED Premium Wall Putty | JKCement ShieldMaxX Universal Waterproof Putty | JK CEMENT WhiteMaxX White Portland Cement | JKTYLO PREMIUM ADHESIVES & GROUTS | JKPROFIX TRUSTED BY EXPERTS

For Kind Attention of Shareholders : As a part of Green Initiative of the Government, all the Shareholders are requested to get their email addresses registered with the Company for receiving Annual Report, etc. on email.